

जय जय जय हे गणपति तुम्हारी,
तीन लोक के हो तुम दाता,
तीन लोक के हो तुम दाता,
महिमा सबसे है प्रभू न्यारी,
जय जय जय हे गणपति तुम्हारी ॥

तर्ज जय जय हे जगदम्बे माता ।

जब जब भक्त ने तुमको पुकारा,
आकर तुमने दिया है सहारा,
तुम देवो के देव गजानन्द,
भक्तो के हितकारी,
जय जय जय हे गणपति तुम्हारी ॥

तूम ही सबके भाग्य विधाता,
रिद्धि सिद्धी के हो तुम दाता,
धन्य वो प्राणी जिसने दाता,
कृपा पाई तुम्हारी,
जय जय जय हे गणपति तुम्हारी ॥

तुम दीनो के नाथ हो स्वामी,
तुम ही हो प्रभू अंतर्यामी,
मै मूरख आया चरणो में,
पानै शरण तुम्हारी,

जय जय जय हे गणपति तुम्हारी ॥

जय जय जय हे गणपति तुम्हारी,
तीन लोक के हो तुम दाता,
तीन लोक के हो तुम दाता,
महिमा सबसे है प्रभू न्यारी,
जय जय जय हे गणपति तुम्हारी ॥

– भजन लेखक एवं प्रेषक –
श्री शिवनारायण वर्मा,
मोबा.न.8818932923

वीडियो उपलब्ध नहीं ।

Source: <https://www.bharattemples.com/jay-jay-hey-ganpati-tumhari/>



Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
<https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans>

Facebook: <https://www.facebook.com/bharattemples/>
Telegram: <https://t.me/bharattemples>

Youtube: <https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZjyhhKzSUD-Lt9Tw>